

## डजिटल जल वितरण प्रणाली

### चर्चा में क्यों?

**सचिाई जल** की आपूर्तकी सुवधि के लयि राजस्धान के **श्रीगंगानगर ज़िले** में कृषकषेत्रों के लयि एक अनूठी **डजिटल जल वितरण प्रणाली** शुरू की गई है।

### मुख्य बदि:

- **राष्ट्रीय सूचना वजिज्ञान केंद्र (NIC)** जयपुर द्वारा वकिसति नई प्रणाली कसिानों को उनके खेतों तक पहुँचने वाले जल की स्थतिके बारे में जानने में सकषम बनाएगी और मैनयुअल प्रणाली में अकसर रपिॉर्ट की जाने वाली **मानवीय त्रुटकी गुंजाइश को कम करेगी**।
- डजिटल प्लेटफॉर्म ज़िले के सभी कसिानों को **जल की उपलब्धता से संबंधति मुद्दों को हल करने** के लयि गंग नहर और इंदरिा गांधी नहर से जल वितरति करने में **पारदर्शति बढाएगा**।
- **जल संसाधन वभिाग** के अनुसार जल उपयोक्ता संघों के प्रमुख अपने-अपने कषेत्र के कसिानों की जानकारी पोर्टल पर केवल एक बार दर्ज करेंगे। इसके बाद कसिानों को सचिाई बारी की प्रचयिों स्वतः ऑनलाइन मलि जाएंगी।
- ऑनलाइन **'बाराबंदी' (नशिचति बारी)** का वसितार कयिा जा सकता है और राज्य के अन्य ज़िलों में भी कसिानों के लाभ के लयि एक समान जल वितरण प्रणाली के रूप में कारयानवति कयिा जा सकता है।

### राष्ट्रीय सूचना वजिज्ञान केंद्र (NIC)

- NIC केंद्र सरकार, राज्य सरकारों तथा केंद्रशासति प्रदेश प्रशासनों को **नेटवरक बैकबोन और ई-गवर्नेंस** सहायता प्रदान करता है।
- NIC **राष्ट्रव्यापी अत्याधुनकि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICT) बुनयिादी ढाँचे** की स्थापना के अलावा शासन के वभिनिन पहलुओं में सरकार के साथ नकिटता से जुड़ा हुआ है।
- इसने वभिनिन स्तरों पर सरकार का समर्थन करने के लयि बड़ी संख्या में डजिटल समाधान भी बनाए हैं, जसिसे **नागरकिों को अंतमि छोर तक सरकारी सेवाओं की डिलीवरी एक वास्तवकिता बन गई है**।
- यह **इलेक्ट्रॉनकि्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय** के तत्तवावधान में है।
- इसकी स्थापना वर्ष 1976 में हुई थी और इसका मुख्यालय नई दलिली में स्थति है।